भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4456
उत्तर देने की तारीख 27.03.2025

खादी एवं ग्रामोद्योग को बढ़ावा देना

4456. **श्री बृजेन्द्र सिंह ओलाः**

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान खादी एवं ग्रामोद्योग के विकास में कमी आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान खादी एवं ग्रोमोद्योग को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण एवं छोटे शहरों में कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो राजस्थान में विशेषकर झुंझुनू जिले में वर्षवार एवं जिलावार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान निर्यात किए गए खादी उत्पादों का ब्यौरा क्या है तथा उनसे अर्जित घरेलू एवं विदेशी मुद्रा का वर्षवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा खादी उत्पादों के निर्यात को और बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क): जी, नहीं। विगत तीन वर्षों के दौरान खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) के विकास में कोई कमी नहीं आई है। बल्कि, विगत तीन वर्षों के दौरान केवीआई क्षेत्र के कार्य-निष्पादन में वृद्धि की प्रवृत्ति देखने को मिली है। इसका ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	ब्यौरा	2021-22	2022-23	2023-24
I.	**उत्पादन**			(करोड़ रु. में)
	खादी	2558.31	2915.83	3206.24
	ग्रामोद्योग	81731.62	93040.84	105091.67
II.	**बिक्री**			(करोड़ रु. में)
	खादी	5051.72	5942.93	6496.01
	ग्रामोद्योग	110363.51	128686.56	149177.12

(ख): जी हां, सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान केवीआईसी के माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण और छोटे शहरों में कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठाए हैं।

केजीवीवाई स्कीम के घटक, खादी विकास योजना (केवीवाई) के अंतर्गत, संशोधित बाजार विकास सहायता (एमएमडीए) और खादी कारीगरों के लिए वर्कशेड स्कीम के अंतर्गत कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। राजस्थान में इसका वर्ष-वार ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

केजीवीवाई स्कीम के घटक, ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई) के अंतर्गत, जीवीवाई के विभिन्न उप-घटकों के अंतर्गत ग्रामीण कारीगरों को कौशल विकास प्रशिक्षण और टूल किट सहायता प्रदान की जाती है। झुंझुनू जिले सहित राजस्थान का जिला-वार ब्यौरा तथा विगत तीन वर्षों का वर्ष-वार ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) पूरे भारत में कौशल विकास कार्यक्रम (एसडीपी), उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) और उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) जैसे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। विगत तीन वर्षों के दौरान राजस्थान राज्य में एसडीपी और ईएपी के अंतर्गत प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	वर्ष	एसडीपी और ईएपी के अंतर्गत प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या
1.	2021-22	2047
2.	2022-23	1534
3.	2023-24	1722

(ग): केवीआई इकाइयां अपने उत्पादों का निर्यात सीधे या व्यापारिक निर्यातक एजेंसियों के माध्यम से कर रही हैं। विगत तीन वर्षों के दौरान केवीआई उत्पादों का निर्यात निम्नानुसार है:

वर्ष	केवीआई उत्पादों का निर्यात (करोड़ रु. में)
2021-22	257.02
2022-23	268.38
2023-24	271.85

(घ): केवीआई उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए केवीआईसी द्वारा उठाए गए कदम इस प्रकार हैं::

i) राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) नई दिल्ली के साथ खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना, वैश्विक मानकों के लिए बेंचमार्क डिजाइन प्रक्रियाओं की स्थापना, नए कपड़े और उत्पाद बनाने, कपड़ों के लिए गुणवत्ता मानकों का प्रसार, नई खादी के बारे में दिलचस्प आख्यान बनाकर ब्रांडिंग और प्रचार, नए खादी उत्पादों के लिए रचनात्मक दृश्य विपणन और पैकेजिंग के लिए की गई है।

ii) वैश्विक स्तर पर ब्रांड 'खादी' की पहचान की रक्षा हेतु, केवीआईसी ने 15 देशों में ट्रेडमार्क 'खादी' के लिए पंजीकरण और 31 देशों में खादी लोगो के लिए पंजीकरण प्राप्त किया है।

iii) सरकार ने निर्यात में ग्यारह केवीआई उत्पादों को वर्गीकृत करने के लिए एचएस कोड ब्रैकेट जारी किया है।

iv) केवीआईसी अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए प्रत्येक वर्ष प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में भाग ले रहा है।

v) सरकार द्वारा चिह्नित प्रमुख निर्यात संवर्धन एजेंसियों (ईपीसी) जैसे आईटीपीओ, ईपीसीएच आदि के माध्यम से विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में नियमित रूप से भागीदारी। विगत वर्षों में, केवीआईसी ने विश्व व्यापार एक्सपो, दुबई, स्प्रिंग फेयर बर्मिंघम, यूके, इंडिया शो पेरू आदि में भाग लिया, जिसके माध्यम से बी2बी और बी2सी वार्तालाप के माध्यम से विदेशी बाजारों में केवीआई उत्पादों को आवश्यक प्रदर्शन प्रदान किया गया है।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 27.03.2025 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4456 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

i) राजस्थान में संशोधित बाजार विकास सहायता (एमएमडीए) के अंतर्गत लाभान्वित खादी कारीगरों का ब्यौरा

वर्ष	खादी कारीगरों की संख्या
2021-22	7101
2022-23	4227
2023-24	5998

ii) राजस्थान में खादी कारीगरों के लिए वर्कशेड स्कीम के अंतर्गत लाभान्वित खादी कारीगरों का ब्यौरा

वर्ष	निर्मित खादी वर्कशेड की संख्या	लाभान्वित खादी कारीगरों की संख्या	संवितरित निधि (लाख रुपए में)
2021-22	5	40	16.00
2022-23	62	90	96.00
2023-24	2	30	24.00

अनुबंध-II

दिनांक 27.03.2025 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4456 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध -II

i) राजस्थान में शहद मिशन का जिला-वार कार्य-निष्पादन

जिले का नाम	2021-22		2022-23		2023-24	
	वितरित किए गए छत्तों सहित मधुमक्खी बक्सों की संख्या	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	वितरित किए गए छत्तों सहित मधुमक्खी बक्सों की संख्या	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	वितरित किए गए छत्तों सहित मधुमक्खी बक्सों की संख्या	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या
हनुमानगढ़	200	20	0	0	100	10
सीकर	200	20	0	0	0	0
गंगानगर	100	10	0	0	0	0
नागौर	200	20	0	0	0	0
बारां	0	0	200	20	0	0
भरतपुर	0	0	200	20	300	30
करौली	0	0	300	30	0	0
कोटा	0	0	200	20	0	0
प्रतापगढ़	0	0	400	40	0	0
टोंक	0	0	200	20	0	0
उदयपुर	0	0	400	40	0	0
झुंझुनूं	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
कुल	**700**	**70**	**1900**	**190**	**400**	**40**

ii) राजस्थान में कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम का जिला-वार कार्य-निष्पादन

जिले का नाम	2021-22		2022-23		2023-24	
	वितरित किए गए इलेक्ट्रिक पॉटरी पहियों और अन्य उपकरणों की संख्या	लाभान्वित पॉटरी कारीगरों की संख्या	वितरित किए गए इलेक्ट्रिक पॉटरी पहियों और अन्य उपकरणों की संख्या	लाभान्वित पॉटरी कारीगरों की संख्या	वितरित किए गए इलेक्ट्रिक पॉटरी पहियों और अन्य उपकरणों की संख्या	लाभान्वित पॉटरी कारीगरों की संख्या
बारां	100	400	0	0	0	0
टोंक	35	140	0	0	1	4
बूंदी	25	100	0	0	13	52
झालावाड़	40	160	0	0	0	0
चित्तौड़गढ़	72	288	0	0	62	248
भीलवाड़ा	68	272	0	0	138	552
अलवर	20	80	36	144	0	0
राजसमंद	37	148	0	0	0	0
पाली	3	12	0	0	0	0
दौसा	0	0	27	108	0	0
करौली	0	0	24	96	0	0
भरतपूत	0	0	13	52	0	0

सवाईमाधोपुर	0	0	20	80	6	24
जैसलमेर	250	1000	50	200	0	0
बीकानेर	50	200	10	40	0	0
बाड़मेर	40	160	0	0	0	0
जोधपुर	60	240	0	0	0	0
नागौर	0	0	40	400	0	0
सीकर	0	0	0	0	10	40
झुंझुनूं	**0**	**0**	**0**	**0**	**50**	**200**
चुरू	0	0	0	0	30	300
कुल	**800**	**3200**	**220**	**1120**	**310**	**1420**

iii) राजस्थान अगरबत्ती उद्योग की पायलट परियोजना का जिला-वार कार्य-निष्पादन

जिले का नाम	2021-22	2022-23	2023-24
	प्रशिक्षित कारीगरों और वितरित पेडल संचालित / स्वचालित अगरबत्ती मशीन की संख्या	प्रशिक्षित कारीगरों और वितरित पेडल संचालित / स्वचालित अगरबत्ती मशीन की संख्या	प्रशिक्षित कारीगरों और वितरित पेडल संचालित / स्वचालित अगरबत्ती मशीन की संख्या
जयपुर	30	20	0
झालावाड़	20	0	0
चौमू	0	50	0
उदयपुर	0	0	100
टोंक	0	20	0
जैसलमेर	8	0	0
बीकानेर	5	0	0
बाड़मेर	5	0	0
जोधपुर	5	0	0
झुंझुनूं	**0**	**18**	**0**
सीकर	0	2	0
कुल	**73**	**110**	**100**

iv) राजस्थान के हस्त निर्मित कागज उद्योग का जिला-वार कार्य-निष्पादन

जिले का नाम	2021-22	2022-23	2023-24
	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या
पेपर प्लेट एवं दोना बनाने की मशीन			
उदयपुर	15	0	0
जयपुर	5	0	0
चितौड़गढ़	5	0	0
राजसमंद	10	0	0
प्रतापगढ़	5	0	0
झालावाड़	10	0	0
बूंदी	0	0	10
डूंगरपुर	0	0	10
जैसलमेर	50	0	0

नागौर	50	0	0
हनुमानगढ़	0	0	20
एचएमपीएफआई पेपर कन्वर्जन मशीन वितरित			
राजसमंद	10	0	0
चितौड़गढ़	10	0	0
जयपुर	5	0	0
झुंझुनूं	**0**	**0**	**0**

v) राजस्थान में फुटवियर निर्माण/मरम्मत मशीन उद्योग का जिला-वार कार्य-निष्पादन

जिले का नाम	2021-22	2022-23	2023-24
	प्रशिक्षित कारीगरों और वितरित जूते मरम्मत उपकरण किट की संख्या	प्रशिक्षित कारीगरों और वितरित जूते मरम्मत उपकरण किट की संख्या	प्रशिक्षित कारीगरों और वितरित जूते मरम्मत उपकरण किट की संख्या
बाड़मेर	0	50	0
बीकानेर	0	47	0
गंगानगर	0	01	0
नागौर	0	01	0
जैसलमेर	0	01	0
चुरू	0	0	69
हनुमानगढ़	50	0	01
झुंझुनूं	**0**	**0**	**30**
दौसा	50	0	0
जयपुर	0	100	0
उदयपुर	0	0	100
टोंक	0	0	10
कुल	**100**	**200**	**210**

vi) राजस्थान में रेंटी उद्योग का जिला-वार कार्य-निष्पादन

जिले का नाम	2021-22	2022-23	2023-24
	प्रशिक्षित कारीगरों और वितरित टूलकिट की संख्या	प्रशिक्षित कारीगरों और वितरित टूलकिट की संख्या	प्रशिक्षित कारीगरों और वितरित टूलकिट की संख्या
जयपुर	20	0	0
टोंक	20	0	0
झालावाड़	80	0	0
दौसा	31	31	0
करौली	9	9	0
भरतपुर	0	60	0
बूंदी	0	0	20
झालावाड़	0	0	40
उदयपुर	0	0	40
नागौर	40	40	0
हनुमानगढ़	140	0	80
बीकानेर	40	0	0
चुरू	40	0	0
बाड़मेर	260	0	0
झुंझुनूं	**0**	**0**	**0**
कुल	**680**	**140**	**180**